आइआइएम में स्वास्थ्य में नवाचार पर चर्चा

दूरदराज के क्षेत्रों तक टेलीमेडिसिन और प्रौद्योगिकी का उपयोग कर पहुंचा सकते हैं स्वास्थ्य सेवाएं

भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) में स्वास्थ्य में नवाचार विषय में गोलमेज परिचर्चा रखी गई। स्टैनफोर्ड के बायो डिज़ाइन के सहयोग से हुई परिचर्चा में छत्तीसगढ़ सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), एम्स, एनआइटी से लोगों ने हिस्सा लिया।

आइआइएम के निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता को दर्शाया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार की आवश्यकता है। जिन लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता है, उन तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचायी जा सकें। विशेषज्ञों की टीम ने इस बात पर जोर दिया कि टेलीमेडिसिन और प्रौद्योगिकी राज्य के सबसे दूरंदराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। बड़े शहरों में इलाज के लिए रोगी को आने में बहुत समस्या होती है। गांव में टेलीमेडिसिन के माध्यम से इलाज कर एम्स जैसे अस्पतालों का बोझ कम करने की आवश्यकता है।

आइआइएम में 'स्वास्थ्य में नवाचार' विषय पर आयोजित विचार-विमर्श में शामिल विशेषज्ञ। ● आइआइएम

विशेषज्ञों ने छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चुनौतियों पर विचार किया, स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित सबसे बड़ी चुनौती ग्रामीण क्षेत्रों में मानव संसाधन है। प्रौद्योगिकी से इस समस्या का हल निकाला जा सकता है। सरकार की मौजूदा नीतियां जैसे आयुष्मान भारत, डिजिटल मिशन (एबीडीएम) और अन्य का उपयोग स्वास्थ्य में नवाचार के लिए किया जा सकता है।

Naidunia, 20th April 2024,p. 4